हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live & dkunews24

वर्ष : 01 अंक–37 : जौनपुर, बुधवार 28 सितम्बर 2022 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

सीएम योगी द्वारा लता के जन्मदिन पर अयोध्या को समर्पित किया एशिया की सबसे बड़ी वीणा

अयोध्या ।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) राम नगरी अयोध्या की विश्व पर्यटन के मानचित्र पर पर लगातार कदम आगे की ओर बढ़ रही है। इस समय जहां एक ओर राम नगरी अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, वही दूसरी ओर पवित्र सलिला सरयू नदी के किनारे स्थित लक्ष्मण किला मैदान पर अयोध्या की रामलीला में प्रसिद्ध फिल्म जगत से जुड़े कलाकारों द्वारा मंचन किया जा रहा है ।इसी कड़ी में पूर्व नियोजित कार्यक्रम के मुताबिक बुधवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर के 93 वें जन्मदिन पर राम नगरी अयोध्या में नव सृजित लता मंगेशकर चौराहे पर लगी एशिया की सबसे बड़ी वीणा का लोकार्पण किया ।जिसके चलते रामनगरी अब राममंदिर के साथ सरयू तट के करीब स्वर कोकिला लता मंगेशकर की याद में बने स्मृति चौक से भी जानी जाएगी ।इसमें एशिया की सबसे बड़ी वीणा लगाई गई है ।93वें जन्म दिवस के अवसर पर आज बुधवार को भव्य समारोह के बीच चौक का लोकार्पण सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी संयुक्त रूप से किया ।इसके बाद इस समारोह स्थल रामकथा पार्क में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रिकार्डेड विशेष वीडियो प्रसारित किया गया ।अब इस चौराहे पर भक्ति, संगीत और वास्तुकला का मनोरम दृश्य देखने को मिलेगा ।जिसके चलते यहां पर 24 घंटे अनवरत लता मंगेशकर द्वारा गाए गए राम जी के मधुर भजन सुनाई देंगे ।3 घंटे तक चलने वाले भव्य समारोह में लता मंगेशकर के भतीजे आदिनाथ मंगेशकर और बहू कृष्णा मंगेशकर की मौजूदगी रही। सीएम योगी संस्कृति विभाग की ओर से प्रकाशित ग्लोबल साइक्लोपीडिया ऑफ रामायण के 10 पुस्तकों व अयोध्या विशेषांक का विमोचन भी किया। इससे पहले लता जी के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप जलाए ,वहीं लता जी के याद में दिखाई गई। वही इसी कड़ी में यहां पर प्रसारित लघु फिल्म ,श्रीराम के गीतों से लोग भाव विभोर हुए। इस मौके पर लता मंगेशकर चौक के निर्माण को दिखाती एक लघु फिल्म दिखाई गई है ।लता द्वारा गाए गए श्रीराम के तीन प्रमुख गीतों को सुनकर लोग भावभिभोर दिखे। नवनिर्मित चौराहे पर कांस्य की बनी विशाल वीणा का निर्माण राम वी सुतार और उनके पुत्र अनिल राम सुतार ने किया है। गुजरात में स्टेचू ऑफ यूनिटी के रूप में सरदार पटेल की प्रतिमा का निर्माण करने वाले राम वी सुतार

ने जो वीणा बनाई है ।उसकी ऊंचाई 182 मीटर, लंबाई 40 फुट है ।जिसे पूरी तरह नक्काशी करके बनाया गया है ।इसका वजन 14 टन है। वही पार्क में एक सरोवर बनाया गया है ।जिसमें 92 कमल मकराना मार्बल के लगाए गए हैं। कमल की संख्या लता जी के आयु को प्रदर्शित कर रहे हैं। जहां आठ पंखुडियों वाले कमल के बीच में एलईडी लाइट लगी है ।जिससे रात में इनका दृश्य मनोरम दिख रहा है ।इसे पूरी तरह बनाने में 7.9 करोड़ खर्च हुए है। इसलिए मूर्तिकार को सम्मानित किया गया ।वहीं राम कथा पार्क में 36 तस्वीरें लगाई गई है ।पूरे जीवन के निचोड़ को 36 तस्वीरों के माध्यम से प्रस्तुत किया प्रख्यात लेखक यतीन्द्र ने लता सुर गाथा के प्रख्यात लेखक यतींद्र मोहन मिश्र ने अयोध्या में बने लता स्मृति चौराहे पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह अयोध्या के लिए गौरव की अनुभूति है ।लता जी पूरे देश के लिए सांस्कृतिक विरासत है ।उन्होंने उत्तर–दक्षिण और पूरब –पश्चिम को जोड़ने का भावनात्मक काम राम भजन और गीता के माध्यम से किया है। उन्होंने कहा अयोध्या राम जी के आस्था का केंद्र है। यहां देश की सर्वमान्य पार्श्व गायिका के नाम से चौराहा बनना स्वागत योग्य है ।उन्होंने इसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ का अयोध्या वासियों की तरफ से और लता जी के प्रशंसक के तौर पर आभार व्यक्त किया है ।लता जी के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन सीएम सहित कार्यक्रम में आए अन्य लोगों के किया। राम कथा पार्क में लगाई गई 36 तस्वीरें लता जी के जीवन के विभिन्न महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित कर रहीं हैं। 92 साल के पूरे जीवन का निचोड़ इन तस्वीरों के माध्यम से बताया और दिखाया गया है। यतींद्र मिश्र द्वारा की गई इस परिकल्पना की सराहना सभी की। इसके लिए लिखे गए लेख दिल को छू जाने वाले रहे। यह सभी तस्वीरों को फिल्म अभिलेखागार और मंगेशकर परिवार के साथ यतींद्र मिश्र और पीएम कार्यालय ने उपलब्ध कराया है।

तालिबानी तरीके से दीपक का कत्ल : शव देख कांपी रूह : अंतिम संस्कार से परिजनों का इनकार

मेरठ ब्यूरो : मेरठ के परीक्षितगढ़ थानाक्षेत्र के खजूरी गांव में दीपक त्यागी का कत्ल तालिबानी तरीके से किया गया। सिर कटे शव को देखकर हर कोई सन्न रह गया। कातिलों से पहले दीपक का सिर ढूंढना पुलिस के लिए चुनौती बन गया। रातभर परीक्षितगढ़ पुलिस और एसओजी ने खजूरी गांव के पास नाले में सर्च अभियान चलाया। अभी तक की जांच पड़ताल में सामने आया कि दीपक की हत्या के पीछे प्रेम–संबंध या फिर रंजिश हो सकती है। पुलिस ने रात में युवती सहित कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लगा। मुख्य रास्ते पर गन्ने के खेत से खून के छींटे इस वारदात की बर्बरता को बयां कर रहे थे। फॉरेंसिक टीम ने बताया कि सिर काटने के बाद 20 मीटर तक कातिल उसको घसीटते हुए ले गए। शायद उसके बाद बोरे में रखकर ले गए होंगे। वारदात के बाद गुस्साए लोगों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की और सिर के बिना शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस फोर्स तैनात किया गया है। आगे विस्तार से जानें आखिर कैसे हत्यारों ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित परिवार और गुस्साए ग्रामीणों ने सिर बगैर शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि दीपक को तालिबानी अंदाज में मारा और फिर उसका सिर काटकर ले गए। पोस्टमार्टम के बाद दीपक का शव घर में रखा है। रातभर परिजन विलाप करते रहे। पुलिस ने हालात देखकर रात में गांव को छावनी बना दिया। पुलिस अधिकारी रात में पीड़ित परिवार को समझाने में लगे रहे कि शव का अंतिम संस्कार कर दो। पुलिस कातिलों को गिरफ्तार कर सिर को भी बरामद कर लेगी। वहीं मेरठ में कमिश्नरी पर त्यागी समाज का नेतृत्व कर रहे मांगेराम त्यागी भी आज परिजनों को सांत्वना देने के लिए पहुंचे। दीपक के युवती से बताए प्रेम–संबंध एसपी देहात केशव कुमार के मुताबिक दीपक का पड़ोस के एक गांव में रहने वाले दूसरे समुदाय के हेयर ड्रेसर की व्यक्ति की बेटी से प्रेम–संबंध थे। दोनों की बातचीत के साक्ष्य पुलिस को मिले हैं। बताया कि यह बात दीपक के परिजनों को पता चली तो वह नाराज हो गए और बेटे का मोबाइल तक छीनकर अपने पास रख लिया था। पुलिस ने दोनों के मोबाइल की सीडीआर निकाली है। पुलिस ने युवती और उसके परिजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है। पीड़ित परिवार ने भी युवती वाले एंगल पर पुलिस को पड़ताल करने की बात कही है। दबंग था दीपक, मारपीट तक कर देता था एसपी देहात ने बताया कि दीपक के खिलाफ मारपीट के दो मुकदमे भी दर्ज हैं। वह दबंग था और शराब पीने के साथ मारपीट कर देता था। माता पिता ने गुस्से में कई बार डांटकर घर से भगा दिया। उसके दबंग होने से गांव के कई लोग उससे रंजिश रखते थे। इस बिंदू पर कई लोगों से बातचीत की जा रही है। देर रात तक गांव में डटे रहे राज्यमंत्री मंत्री दिनेश खटीक और उनके कार्यकर्ताओं ने आधी रात तक गांव में डेरा डाला हुआ था। उनकी मांग थी कि हत्यारों को पुलिस पकड़े। पीड़ित परिवार के लोगों को वह आश्वासन देते रहे है कि इंसाफ मिलेगा। दीपक के सिर की तलाश में पुलिस की कांबिंग रात में जारी रही। दीपक के पिता धीरेंद्र त्यागी शांत स्वभाव के व्यक्ति हैं। तीन बेटियां और दो पुत्र है। पुत्र में दीपक छोटा बेटा था। दो बेटियों की शादी हो चुकी है। धीरेंद्र 65 बीघा जमीन के मालिक है और करीब 80 बीघा जमीन ठेके पर लेकर खेती करते है। धीरेंद्र अपने दोनों बेटों के साथ खेतीबाड़ी के साथ गांव में परचून की दुकान भी चलाते है।

माँ समोगर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा प्रेरणा कैण्टीन के माध्यम से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ाया कदम

जौनपुर सू.वि. : 27 सितम्बर 2022 को विकास भवन परिसर में मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम द्वारा एक और प्रेरणा कैण्टीन का फीता काटकर शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर विकास खण्ड सिरकोनी के ग्राम पंचायत सखोई की माँ समोगर स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपायुक्त (स्वतः रोजगार) ओम प्रकाश यादव, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा0 राजेश सिंह, जिला मिशन प्रबन्धक गुलाब चन्द सरोज, (ग्राम प्रधान केशवपुर) धर्मराज यादव, रामबली यादव आदि विकास भवन के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। कैण्टीन में मुख्य विकास अधिकारी ने समूह द्वारा तैयार सोया के विभिन्न व्यंजन जैसे, सोया पनीर सब्जी, सोया लस्सी, सोया भोग तथा अलग–अलग फ्लेवर के चाय का स्वाद लिया। समूह की महिलाओं से समूह

तथा कैण्टीन में बिक्री किये जाने वाले वस्तुओं के बारे में जानकरी प्राप्त की तथा उन्हें मनोयोग से अच्छी तरह कैण्टीन चलाने के लिए प्रोत्साहित किया।

विशेष संचार रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान के संबंध में जिला स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक सम्पन्न

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : जिले के हर नागरिक को यह संदेश दिया जाए कि बुखार कैसा भी हो अस्पताल जाकर चिकित्सक से ही इलाज कराएं। सभी सरकारी अस्पतालों पर बुखार का इलाज निःशुल्क है । सरकारी अस्पताल जाने के लिए 108 नंबर डॉयल करके निःशुल्क सुविधा का लाभ उठाया जाए। हाई ग्रेड फीवर के इलाज के लिए सभी ब्लॉक स्तरीय अस्पतालों पर अर्ली ट्रिटमेंट सेंटर (ईटीसी) की व्यवस्था है और सबसे पहले इन्हीं केंद्रों पर तेज बुखार के मरीज को ले जाने का संदेश दिया जाए। बुखार का इलाज जल्दी शुरू होने से व्यक्ति जल्द स्वस्थ होगा। यह दिशा–निर्देश मुख्य विकास अधिकारी संजय कुमार मीणा ने जिला स्तरीय अन्तर्विभागीय बैठक में दिये। अक्टूबर में प्रस्तावित विशेष संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान के संबंध में यह बैठक विकास भवन सभागार में मंगलवार को हुई। सीडीओ ने अभियान से संबंधित विभागों से अपील की कि समन्वय बना कर कार्य करें और हाई रिस्क एरिया (एचआरए) में फोकस्ड अभियान चलाने का प्रयास करें । दस्तक अभियान के दौरान आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता साथ–साथ जाएं। स्क्रबटाइफस को देखते हुए लोगों को प्रेरित किया जाए कि वह नंगे पैर झाड़ियों में न तो खुद जाएं और न ही बच्चों को जाने दें। झाड़ियों की साफ–सफाई कराई जाए । चूहा और छछूंदर से बचाव के उपाय किये जाएं। बरसात को देखते हुए नालियों की नियमित सफाई हो और जिन इलाकों में स्वच्छ टैप वाटर की सुविधा हो वहां लोग हैंडपंप का इस्तेमाल न करें। युद्धस्तर पर झाड़ियों की साफ–सफाई की जाए । विद्यालयों में वीडियो संदेश के जरिये बच्चों को संचारी रोगों के प्रति जागरूक किया जाए। गांवों से निकलने वाले डेंगू के मामलों को देखते हुए वहां साफ पानी के जलजमाव को नियंत्रित किया जाए और खासतौर से पशुओं के नाद में साफ पानी इकट्ठा नहीं होने देना है। अभियान के नोडल स्वास्थ्य विभाग के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष कुमार दूबे ने बताया कि एक से 31 अक्टूबर तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण माह चलेगा, जबकि सात से 21 अक्टूबर तक दस्तक पखवाड़ा चलाया जाएगा। एक माह के अभियान में कुल 12 विभाग मिलकर संचारी रोगों के प्रति जनजागरूकता फैलाएंगे और विभागीय कार्यवाही भी करेंगे। दस्तक अभियान के दौरान आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की टीम घर–घर जाकर बुखार के रोगियों को अस्पताल जाने के लिए प्रेरित करेंगी । कुपोषित बच्चे चिन्हांकित किये जाएंगे और टीबी मरीज भी खोजे जाएंगे। उल्टी दस्त की दवा और क्लोरीन का टैबलेट बांटेंगी व मच्छरों के प्रजनन स्रोत वाले स्थानों को चिन्हित कर सूचित करेंगी। बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी हेमंत सिंह, जिला पंचायती राज अधिकारी हिमांशु शेखर, मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुकेश रस्तोगी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकार डॉ एके चौधरी, जिला मलेरिया अधिकारी अंगद सिंह, जेई एईएस कंसल्टेंट डॉ सिद्धेश्वरी, डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ अंकुर सांगवान, यूनिसेफ के डीएमएसी डॉ हसन फहीम, नीलम यादव, पाथ संस्था के प्रतिनिधि डॉ राहुल कांबले, अभिनय कुशवाहा, सीफार प्रतिनिधि वेद प्रकाश पाठक समेत विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। दिख रहा है अभियान का असर जिला मलेरिया अधिकारी अंगद सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष जहां अब तक एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) के 139 मरीज मिले थे वहीं इस बार यह संख्या मात्र 41 है । इसके पीछे पिछले दो चरण में चले अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी समयावधि तक एईएस से 10 मौतें हुई थीं जो इस बार शून्य है । पिछले साल जहां 42 फीसदी लोग सीधे बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए गये थे, वहीं इस साल महाज 18 से 20 फीसदी लोग ही सीधे मेडिकल कॉलेज पहुंचे हैं, बाकी लोगों ने ईटीसी या फिर जिला अस्पताल से ही इलाज कराया है । देर से हुई बरसात को देखते हुए इस बार का अभियान काफी महत्वपूर्ण है। चूहा और छछूंदर के प्रति करेंगे जागरूक बैठक में पहुंचे जिला कृषि रक्षा अधिकारी डॉ आरडी वर्मा ने बताया कि कृषि विभाग की भूमिका पूरे माह जनजागरूकता की होती है । हमारे 191 न्याय पंचायतों में तैनात प्राविधिक सहायक गांव–गांव में बैठकें कर लोगों को चूहा और छछूंदर से बचाव के प्रति जागरूक करते हैं । स्क्रबटाफस से बचाव में इस जागरूकता की अहम भूमिका है।

धूमधाम से मनाई गयी भगत सिंह की जयंती

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : बीएसएन ग्लोबल स्कूल शाहपुर के तत्वावधान में बुधवार को शहीद ए आजम भगत सिंह की 115वीं जयंती बड़ी श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। सर्वप्रथम भगत सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया। सभी अध्यापकों और बच्चों ने भी भगत सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। बच्चों को सम्बोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक जे के जायसवाल ने कहा कि भगत सिंह युवाओं के प्रेरणास्रोत रहेंगे। इनका नाम विश्व में 20 वीं शताब्दी के अमर बलिदानियों में सदैव सम्मान पूर्वक लिया जाता रहेगा। भगतसिंह ने देश की आजादी के लिए जिस साहस के साथ शक्तिशाली ब्रिटिश सरकार का मुकाबला किया वह आज के युवकों के लिए एक बहुत बड़ा आदर्श है । भगतसिंह अपने देश के लिए अपना जिवन समर्पित कर दिया और देश की आजादी के लिए अपने

प्राणों को बलिदान कर दिया । उनका जीवन हमारे लिए प्रेरणादायक है । छात्रों , युवाओं और नेताओं समेत पूरा देश शहीद भगत सिंह से प्रेम करता है । भगत सिंह ने कभी किसी धर्म , जाति आयु और लिंग में भेदभाव नहीं किया । इस अवसर पर चन्द्रकला मौर्य, चन्द्रमति यादव,दीपक सिंह, वर्षा श्रीवास्तव, कुसुम, सुमन,प्रतिभा, बबीता आदि मौजूद रहे।

आवश्यक सूचना

आप सभी पाठक बन्धुओं से अनुरोध है कि आनलाइन समाचार पत्र पढ़नें और ई–पेपर का लाभ लेने हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट एवं न्यूज पोर्टल - dku live चैनल पर सम्पर्क कर लाभ उठायें– उ0प्र0 के सभी जनपदों एवं तहसीलों से पत्रकार बननें के लिए सम्पर्क करें–

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

–संपादक

संगम तिवारी को बनाया गया विश्व सनातन वाहिनी का वाराणसी मंडल अध्यक्ष

जौनपुर (विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी) : क्षेत्र के संगम तिवारी को विश्व सनातन वाहिनी का वाराणसी जिला मंडल अध्यक्ष बनाया गया सनातन धर्म रक्षा प्रकोष्ठ मंडल अध्यक्ष चुने जाने पर उनके समर्थकों

में खुशी की लहर दौड़ गई संगम तिवारी को सर्वसम्मति से वाराणसी मंडल अध्यक्ष चुना गया है शैलेश तिवारी राष्ट्रीय महामंत्री गोरक्षा प्रकोष्ठ ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उन्हें यह कार्यभार सौंपा जहा पर संगम तिवारी ने कहा कि हमारे संगठन ने हमे इस लायक समझा और हमे जो पद दिया है हम उसका पूर्ण रूप से पूरी कर्तव्य निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे और जनसेवा में सदैव तत्पर रहेंगे।

व्यापारी ने सांसद रवि किशन के 3.25 करोड़ हड़पे : केस दर्ज

गोरखपुर मण्डल प्रभारी आशुतोष चौधरी : गोरखपुर सदर से भाजपा सांसद व फिल्म अभिनेता रवि किशन शुक्ल के 3.25 करोड़ रुपये मुंबई के व्यापारी ने हड़प लिए हैं। रुपये लौटाने के लिए व्यापारी ने चेक दे दिया, जिसे सांसद ने बैंक रोड स्थित एसबीआइ की शाखा में जमा किया तो बाउंस हो गया। छह माह तक तगादा करने के बाद भी रुपये न मिलने पर सांसद

ने पुलिस अधिकारियों से मामले की शिकायत की। कैंट थाना पुलिस ईस्ट मुंबई में रहने वाले व्यापारी के खिलाफ रुपये हड़पने का मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। यहां बतादें कि सांसद रवि किशन शुक्ल ने पुलिस अधिकारियों को दिए प्रार्थना पत्र में लिखा है कि वर्ष 2012 में ईस्ट मुंबई के कमला पाली बिल्डर में रहने वाले जैन जितेंद्र रमेश को 3.25 करोड़ रुपये दिए। बाद में जैन जितेंद्र ने रुपये वापस करने के लिए 34–34 लाख के 12 चेक दिए। यह चेक मुंबई के विले पार्ले, पीएम रोड स्थित टीजेएचडी सहकारी बैंक लिमिटेड के थे। सात दिसंबर 2021 को 34 लाख रुपये का चेक उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक की बैंक रोड स्थित शाखा में जमा किया। 16 फरवरी 2022 को बैंक के अधिकारियों ने पत्र लिखकर बताया कि जिस खाते का चेक दिया गया है उसमें रुपये नहीं है। चेक बाउंस होने पर उन्होंने बात की तो जैन जितेंद्र रमेश ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। चेक बाउंस होने के बाद फरवरी से अब तक रुपये लौटाने के लिए वह तगादा कर रहे हैं लेकिन जैन जितेंद्र रमेश रुपये न देकर मानसिक व आर्थिक उत्पीडन कर रहे हैं। अधिकारियों के निर्देश पर कैंट थाना पुलिस ने व्यापारी के खिलाफ रुपये हड़पने का मुकदमा किया है। प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट शशिभूषण राय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। सांसद व अभिनेता रवि किशन शुक्ल पहले कैंट थानाक्षेत्र के सिंघडिया में रहते थे। दो माह पहले उन्होंने रामगढ़ताल क्षेत्र के तारामंडल में लेकव्यू कालोनी में मकान लिया है, जहां परिवार के साथ रहते हैं।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–
आध्यात्मिकता में सर्व समस्याओं का समाधान निहित है।
–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

कर्मचारी की दो नौकरी करने की मजबूरी और नियोक्ता का भरोसा

महत्वपूर्ण बात यह है कि संगठन मूनलाइटिंग के नाम पर अपने प्रतिस्पर्धी संगठनों में काम करने वालों को जानकारी पाने या वहां का अपडेट लेने के लिए नियुक्त न करें। जिस संगठन में कोई काम करता है, उस संगठन की सहमति के बिना मूनलाइटिंग केवल अवैध ा और अनैतिक है तथा इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

जरूरत के समय यों तो दूसरी नौकरी करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन जब यह उसी उद्योग में किसी प्रतिस्पर्धी संगठन के लिए की जाए, तो ऐसा करना नियोक्ता–कर्मचारी के विश्वास के खिलाफ होगा। अजीत त्यागी दोहरी जिंदगी जीते हैं। दिन में वह सॉफ्टवेयर डेवलेपर का काम करते हैं और शाम में युवाओं को कोडिंग में प्रशिक्षित करते हैं। उनके नियोक्ता को काम के घंटों के बाद किए जाने वाले इस कार्य के बारे में पता है।

राधिका गुप्ता एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करती हैं, लेकिन समय–समय पर अपने पति की मदद भी करती हैं, जब वह प्रतिद्वंद्वी कंपनी के एक प्रोजेक्ट पर डेवलेपर का काम करते हुए फंस जाते हैं। अमन गुलाटी एक कंपनी के लिए डेवलपर के रूप में काम करते हैं, लेकिन समय–समय पर अपने पूर्व नियोक्ता के लिए भी काम करते हैं, जो एक सॉफ्टवेयर कंपनी है। सॉफ्टवेयर पेशेवरों की दुनिया में कई प्रतिभाशाली कर्मचारी अपने रोजगार से बाहर भी काम पाते हैं।

इनमें से कुछ के लिए भुगतान किया जा सकता है और कुछ उनके लिए अपने कौशल को साबित करने, करिअर में उछाल पाने का एक तरीका हो सकता है। हाल ही में जबसे खाद्य वितरण करने वाली कंपनी जोमैटो ने अपने कर्मचारियों के लिए बाहरी काम करने को लेकर प्रोत्साहित करने वाला बयान दिया है, 'मूनलाइटिंग' शब्द चर्चा में है। मूनलाइटिंग का मूल रूप से मतलब है कि पहले से पूर्णकालिक रोजगार करने के अलावा आप दूसरी नौकरी करते हैं। तो क्या मूनलाइटिंग स्वीकार्य है?

इसका कोई सीधा उत्तर नहीं है और यह विभिन्न उद्योगों और किसी के रोजगार अनुबंध पर निर्भर करता है। विप्रो द्वारा 300 तकनीकी विशेषज्ञों को नौकरी से बर्खास्त कर देने की घटना ने मूनलाइटिंग की बहस को एक अलग स्तर पर पहुंचा दिया है। एक तरफ कुछ टेक कंपनियों के प्रमुख हैं, जो सोचते हैं कि यह मानव संसाधनों के उपयोग का सबसे अच्छा तरीका है, तो दूसरी तरफ अन्य लोग मानते हैं कि यह धोखाधड़ी से कुछ कम नहीं है।

कर्मचारियों के लिए अधिक धन की तलाश करना स्वाभाविक है, विशेष रूप से जब करिअर के शुरुआती दौर में उन्हें कम पैसे मिल रहे हों। लेकिन, रोजगार अनुबंधों को देखते हुए नियमित रोजगार के बाहर काम करने की कोई गुंजाइश नहीं है, खासकर यदि बाहरी काम एक ही उद्योग और विशेषज्ञता क्षेत्र में है। विप्रो ने इसी रोजगार अनुंबध का इस्तेमाल प्रतिस्पर्धी कंपनियों के साथ मूनलाइटिंग करते पाए गए कर्मचारियों को बर्खास्त करने के लिए किया।

हालांकि कुछ ऐसे पेशे और नौकरियां हैं, जिनमें अपने औपचारिक रोजगार से बाहर उसी तरह के काम के बारे में जानते हुए प्रतिस्पध र्ी संस्थाओं के लिए काम करना आम बात है। उदाहरण के लिए, एक वाद्ययंत्र वादक एक ही समय में कई संगीत निर्देशकों के लिए काम करता है। अक्सर, संगीत निर्देशक अपने प्रतिस्पर्धियों के लिए काम करने वाले वाद्ययंत्र वादकों के बारे में जानते है। यह सामान्यतः ऐसा मामला है, जहां एक विशेष प्रतिभा बेहद सीमित या अनन्य होती है।

फिर स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ाने वाले शिक्षक ट्यूशन और कोचिंग सेंटरों में पढ़ाने के लिए जाने जाते हैं। ये रोजगार से संबंधित मामले हैं, न कि स्वतंत्र रूप से काम करने वालों के। इनमें से कुछ शिक्षक अपने नियोक्ता की जानकारी में ऐसा करते हैं और कुछ इसे छिपाते हैं। फिर कुछ ऐसे कौशल होते हैं, जैसे नेत्र सर्जन, जो विशिष्ट दिनों में अलग–अलग समय में दो–तीन अलग–अलग अस्पतालों में काम कर सकते हैं और उनके नियोक्ता इस तरह की व्यवस्था से पूरी तरह अवगत होते हैं।

ये सभी ऐसे उदाहरण हैं, जहां कोई एक ही क्षेत्र में काम करता है, लेकिन ऐसा वे प्रतिस्पर्धी हितों या हितों के टकराव की सीमा को लांघने के लिए नहीं करते। लेकिन, इनमें से कोई भी उदाहरण किसी भी नियोक्ता से छिपाकर प्रतिस्पर्धियों के लिए काम करना या मूनलाइटिंग के दायरे में नहीं आता है। सिर्फ आईटी उद्योग में ही नहीं, कई अन्य पेशों में भी पर्याप्त प्रतिभाशाली या प्रशिक्षित लोगों के न होने की लगातार शिकायत आती है।

यह विडंबना ही है कि उच्च बेरोजगारी दर होने के बावजूद कई क्षेत्रों से अच्छी तरह प्रशिक्षित या काम करने के लिए तैयार संसाध ान नहीं मिलने की शिकायत आती है। स्वभाविक रूप से प्रतिभाशाली और सक्षम लोगों की काफी मांग है। ऐसे मामलों में मूनलाइटिंग उन संगठनों के लिए एक तरीका बन जाता है, जिनके पास प्रतिस्पध र्ा के साथ काम करने वाले प्रतिभाशाली लोगों का अपना पूल नहीं है। यह अनुचित है, लेकिन उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए कई संगठन इसी रणनीति के साथ आगे बढ़ते हैं।

कई योग्य, प्रशिक्षित और अनुभवी कर्मचारियों ने एक कर्मचारी से सलाहकार के रूप में काम करने के लाभों को महसूस किया है। उनकी कामकाजी स्थिति में यह बदलाव उन्हें उन संगठनों के साथ काम करने की सुविधा देता है, जो उनके कौशल को पहचानते हैं और इसके लिए भुगतान करते हैं। बेशक संगठन अपनी ओर से ऐसे संसाधनों के साथ कई गोपनीय समझौतों और अनुबंध पर हस्ताक्षर करते हैं, जो उन्हें समान जरूरतों या परियोजनाओं पर प्रतिस्पर्धियों के साथ काम करने से मना कर सकता है।

यह व्यक्ति और उनकी अंतरात्मा पर निर्भर करता है कि वे कैसे सुनिश्चित करते हैं कि दो प्रतिद्वंद्वी संस्थाओं के साथ काम करते समय वे कोई अनुचित काम नहीं कर रहे हैं। कोविड–19 के मद्देनजर मूनलाइटिंग में काफी वृद्धि हुई है, क्योंकि घर से काम करने के चलते अधिक समय बचने पर लोग ज्यादा पैसा कमाना चाहते हैं। तकनीकी क्षेत्र में, एक पूर्णकालिक कर्मचारी की तुलना में कम लागत पर कुशल संसाधन ढूंढना कम खर्चीला है, यही वजह है कि बहस छिड़ी है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि संगठन मूनलाइटिंग के नाम पर अपने प्रतिस्पर्धी संगठनों में काम करने वालों को जानकारी पाने या वहां का अपडेट लेने के लिए नियुक्त न करें। जिस संगठन में कोई काम करता है, उस संगठन की सहमति के बिना मूनलाइटिंग केवल अवैध ा और अनैतिक है तथा इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। नियोक्ताओं को उन कर्मचारियों की जांच करनी चाहिए, जो प्रतिस्पर्धी संगठनों के साथ काम करते हैं। ऐसे कृत्यों को हतोत्साहित करने के लिए नीतियां भी हैं।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

शारदीय नवरात्र उत्सव : विद्यारंभ संस्कार कराकर वैदिक रीति–रिवाज से किया हवन

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : नवरात्रि उत्सव में गायत्री प्रज्ञा पीठ की पिहानी पर कस्बे के कटरा बाजार निवासी संजय रस्तोगी के पुत्र राहुल रस्तोगी की पुत्री शौर्यवी रस्तोगी का विद्यारंभ संस्कार कराया गया। शौर्यवी रस्तोगी के परिजनों ने वैदिक रीति–रिवाज अनुसार हवन में आहुति देकर, अक्षत पात्र तथा स्लेट व कापी पर हरि श्री गणेशाय नमः लिखकर विद्यारंभ किया। विद्यारंभ संस्कार गायत्री प्रज्ञा पीठ पिहानी के ट्रस्टी मृदुल कपूर ने संपन्न कराया। मृदुल कपूर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मानव जीवन को पवित्र व मर्यादित बनाने के लिए 16 संस्कारों का आविष्कार किया है जिसमें ''विद्यारंभ संस्कार'' भी एक महत्वपूर्ण संस्कार माना जाता है। मां सरस्वती को विद्या, ज्ञान, वाणी, संगीत तथा बुद्धि की देवी माना जाता है। प्रमुख ट्रस्टी अतुल कपूर ने कहा कि सनातन धर्म सबसे प्राचीन धर्म है। सनातन धर्म के लिए हमारे ऋषि–मुनि और महात्माओं नें तप और शोध किए। सनातन में जीवन को धर्म के साथ जोड़ने के लिए इंसान के पैदा होने से पहले

से लेकर मृत्यु तक 16 संस्कार बताए गए हैं। हिन्दू धर्म को मानने वाले इनमें से सिर्फ कुछ ही संस्कारों का पालन कर पा रहे है। अतुल कपूर ने कहा कि गर्भाधान, पुंसवन, सीमन्तोन्नयन, सीमन्तोन्नयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूड़ाकर्म, विद्यारंभ, कर्णभेद, यज्ञोपवीतः, वेदारंभ, केशांत, समावर्तन, विवाह, अन्त्येष्टि आदि 16 संस्कार गायत्री प्रज्ञा पीठ समय समय पर आयोजनो के माध्यम से कराता चला रहा है।

अपराधिक आसामाजिक व आराजक तत्वों के संबंध में जिला प्रशासन व पुलिस को सूचित करें:–डी0एम0

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : 02 अक्टूबर को गांधी जयंती, दशहरा, बारावफात तथा दीपावली आदि त्यौहारों के दृष्टिगत पुलिस लाइन सभागार में जनपद स्तरीय पीस कमेटी की बैठक जिलाधि ाकारी एम0पी0 सिंह की अध्यक्षता में आहूत की गयी। बैठक में उपस्थित सभी धर्म गुरूओं एवं गणमान्य व्यक्तियों को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी त्यौहारों को सभी लोग जनपद की गंगा जमुनी तहजीब, आपसी प्रेम, सौहार्द एवं शान्ति पूर्वक मनायें। उन्होने कहा कि पीस कमेटी के सभी जिम्मेदार तथा गणमान्य व्यक्ति अपने क्षेत्रों में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखें और किसी भी अपराधिक, आसामाजिक व आराजक तत्व की जानकारी होने पर तत्काल जिला प्रशासन एवं पुलिस को सूचित करें तथा अफवाहों पर ध्यान न दें। उन्होने कहा कि दुर्गा पूजा पंडाल स्थापना, विर्शजन स्थान व रूट के सम्बन्ध में समिति द्वारा सक्षम अधिकारी से अनुमति ली जायेगी तथा पारम्परिक स्थानों पर ही पूजा पंडाल आयोजित होगें किसी भी नये पंडाल की अनुमति नही दी जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि दुर्गा पूजा एवं बरावफात को ध्यान में रखते हुए सभी मार्गो को ठीक कराने के साथ विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था समयानुसार कराई कराई जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि दुर्गा पण्डालों में समिति के लोग अपने सदस्यों के पहचान पत्र जारी करे और उनके माध्यम से सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित कराये और भीड़ को देखते हुए आने–जाने का रास्ता अलग–अलग बनायें और साफ–सफाई आदि की समस्या होने पर संबंधित ईओ या प्रशानिक अधि ाकारी को सूचित करें। उन्होने कहा जिन धार्मिक स्थलों के लाउड स्पीकर बंद कर दिये गये है उन्हें चालू न किया जाये और जो संचालित है उनकी आवाज निर्धारित रखी जाये। जिलाधिकारी ने कहा दुर्गा विर्शन एवं बारावफात जुलूस में कोई भी व्यक्ति किसी प्रकार का अस्त्र–शस्त्र लेकर नहीं जायेगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने कहा कि त्यौहारों के देखते हुए जनपद के सभी संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात के करने के साथ

समस्त थानों के वांछित अपराधियों को पांबद किया जा रहा है। उन्होने कहा कि जनपदवासी निर्भय होकर पूर्व की भांति शान्ति पूर्वक आपसी भाईचारे के साथ सभी त्यौहार मनायें। बैठक में अपर जिलाधिकारी वन्दना त्रिवेदी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट दिव्या मिश्रा, नगर मजिस्ट्रेट डा0 सदानन्द गुप्ता, उप जिलाधिकारी सदर स्वाती शुक्लाअपर पुलिस अधीक्षीक दुर्गेश कुमार सिंह, अनिल कुमार यादव, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार तथा पीस कमेटी के समस्त सदस्य उपस्थित रहें। बैठक का संचालन सीओ परशुराम सिंह ने किया। इसके उपरान्त जिलाधि ाकारी ने पुलिस ग्राउड, सभागार, कैण्टीन, लाईब्रेरी आदि को देखकर पुलिस अधीक्षक की प्रशंसा करते कहा कि इससे पुलिस परिवार के लोगों को कैण्टीन एवं लाईब्रेरी आदि की सुविधा के लिए बाहर नही जाना पडेघ्गा और उनका समय भी बचेगा। जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक के साथ पुलिस लाइन में संचालित प्राथमिक विद्यालय जलाखपुरवा का निरीक्षण कि तथा कक्षा एक की बच्ची द्वारा 1 से 5 तक पहाड़ा सुनाने तथा स्कूल की अच्छी व्यवस्था पर प्रधाना अध्यापक पूर्णिमा की प्रशंसा की तथा बच्चों से अपरान्ह भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर प्रधाना अध्यापक ने बताया कि वह विद्यालय में अकेली है और कोई भी सहायक या शिक्षा मित्र नही है और विद्यालय में बच्चों के बैठने हेतु कुर्सी, मेज की व्यवस्था पुलिस अधीक्षक द्वारा कराई गयी है, जिलाधिकारी ने कहा कि शीघ्र विद्यालय को और शिक्षक उपलब्ध कराये जायेगें।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर अन्नप्राशन दिवस का किया गया आयोजन

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : पोषण माह के अंतर्गत निर्धारित कैलेंडर के अनुसार सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर अन्नप्राशन दिवस का आयोजन किया गया । अन्नप्राशन दिवस का आयोजन छोटे बच्चों को ऊपरी भोजन या आहार की जरूरत के प्रति माताओं को जागरूक करने के लिए किया जाता है । प्रायः देखा गया है कि माताएँ बच्चों को 1 साल या 2 साल तक बच्चे को केवल स्तनपान या दूध ही पिलाती रहती है । जबकि छह महीने के पश्चात बच्चे को ऊपरी आहार देना शुरू कर देना चाहिए क्योंकि केवल दूध से बच्चे की बढ़ती हुई शारीरिक और मानसिक आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो पाती है । छह माह तक बच्चे को केवल स्तनपान की सलाह दी जाती है तथा उपरी आहार की शुरुआत छह माह के बाद हो जानी चाहिए । इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए ही आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 6 माह की आयु पूरी कर चुके बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन संस्कार आयोजित किया गया । अन्नप्राशन कार्यक्रम के दौरान बच्चे के माता पिता, परिवार के सदस्यों, एवं गॉव की अन्य गर्भवती एवं धात्री महिलाएँ भी केंद्र पर आमंत्रित की गयी । अन्न प्राशन संस्कार के माध्यम से सभी महिलाओं किशोरियों को यह संदेश दिया गया कि छह माह के बाद बच्चे को ऊपर की खाद्य सामग्री देना शुरू करें, कौन कौन सी खाद्य सामग्री सामग्री बच्चे को दी जा सकती है इसके बारे में भी बताया गया । बच्चे की बढ़ती आयु के साथ ऊपरी आहार की मात्रा कितनी बढ़ानी चाहिए इसके बारे में भी जानकारी दी गई । कार्यकर्ताओं ने

उपस्थित महिलाओं को यह जानकारी दी कि बच्चे को मसला हुआ केला, गाढ़ी दाल, चावल का पानी या माँड़, सूजी की खीर, नमकीन/मीठा दलिया पतली और खूब पकी हुई खिचड़ी इत्यादि दी जा सकती है । बच्चों को शुरुआत में 1 कटोरी दिन भर में तीन चार घंटे के अंतराल पर खिलाएँ । उसके बाद बच्चे की आयु बढ़ने के साथ ही यह मात्रा भी धीरे धीरे बढ़ा दी जाए ।बच्चे को ऊपरी आहार देने के साथ ही सफाई और सुरक्षा पर भी ध्यान देना जरूरी है । माँ जो भी बनाएँ वह साफ सुथरे बर्तन में पकाए । अपना हाथ साफ करने के बाद ही बच्चे को खाना खिलाएं । जो भी खिलाएं वह ताजा और तुरंत पका हुआ होना चाहिए। बच्चे के खाने में थोड़ी घी या तेल की मात्रा भी मिलाकर खिलाने से बच्चे का वजन तेजी से बढ़ता है। यह सभी जानकारी/संदेश अन्न प्राशन संस्कार के माध्यम से दिया गये । बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साह से भाग लिया । जिस बच्चे का अन्नप्राशन संस्कार किया गया उस बच्चे को उपहार स्वरूप खिलौने, फल मिठाई इत्यादि दिए गए।

गोमती नगर विस्तार में आयोजित दुर्गा पूजा के लिए प्रबन्ध कार्यकारिणी वार्ड खण्ड महिला प्रभारियों की बैठक सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। गोमतीनगर जन कल्याण महासमिति आकस्मिक बैठक संपन्न हुई जिसमें सर्वप्रथम,

ऊं सर्वे भवन्तु सुखिनः
सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु ।
मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत्
शान्तिः शान्तिः शान्तिः

के साथ बैठक की शुरुआत हुई। पूर्व में हुई बैठक की पुष्टि व समीक्षा, एवं गोमती नगर विस्तार प्रखंड समिति के द्वारा किए जा रहे दुर्गा पूजा के विषय में विस्तृत चर्चा हुई एवं कुछ कारणों की वजह से पूजा स्थल परिवर्तन के विषय में चर्चा हुई जो कि सर्वसहमति से पास किया गया।महासमिति के महासचिव डॉ राघवेन्द्र शुक्ल जी ने पूजा स्थल एवं उस में चल रही सभी तत्वों के बारे में प्रबंध कार्यकारिणी को अवगत कराया। सभी ने इसमें तन,मन,धन से सहयोग करने के लिए महासचिव जी को आश्वस्त किया स कुछ सदस्यो की शंका समाधान भी किया गाया।महासमिति के अध्यक्ष प्रो डॉ बीएन सिंह ने सभी को मिलकर एकजुट होकर कार्य करने के लिए कहा एवं सभी का सहयोग इस महासमिति के लिए

बहुत जरूरी है। बैठक में महासमिति के अध्यक्ष प्रो डॉ बीएन सिंह, महासचिव राघवेंद्र शुक्ल, कर्नल ए एन पांडेय, सीजी नायक, आलोक मिश्रा, आरएन त्रिवेदी वीके शर्मा, धर्मेन्द्र, सीएल सिंह,आरडी मौर्य, राजेश श्रीवास्तव, नंदिनी मिश्रा, मनोज कुमार मिश्रा, अजय तिवारी, मंगेश मिश्रा, डॉ मधु, डॉ चित्रा, प्रमोद , जितेंद्र, संजीव, मुन्न सिंह, बीएल तिवारी, विवेक एवं प्रबंध समिति के सभी पदाधिकारी सभी वार्ड/खंड/महिला प्रभारी सम्मिलित रहे।

27 की शामभगत सिंह के नाम क्या हम आजाद हैं सोचो : खोसला

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय नई दिल्ली। राष्ट्रीय सैनिक संस्था एनसीआर के संयोजक राजीव जोली खोसला ने शहीद–ए–आजम भगत सिंह जी के 115 में जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर निर्माण विहार में बड़े धूमधाम से मनाया जिसमें मुख्य अतिथि शहीद अशफाक उल्ला खां के वंश से माननीय अशफाक उल्ला खान जी और दिल्ली यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर डॉ सपना बंसल जी व राहुल इंकलाब जी क्रांतिकारी शोधकर्ता ने भाग लिया आज एक प्रश्न हमारे मन में उठता है क्या हम आजाद हैं ? इसके मूल्य क्या हैं ?क्या आजादी केवल एक 'सपना' है इसका महत्व क्या है? आजादी क्या है ? आओ मिलकर सब विचार करें क्या अमर शहीद गरम दल क्रांतिकारियों ने आजादी के लिए अपनी जाने तक न्योछावर कर गए ँ हंसते–हंसते फांसी पर चढ़ गए क्या उनका बलिदान व्यर्थ जाने दे क्या हमारे देश के प्रति कोई कर्तव्य नहीं है यह वीर पराक्रमी, देशभक्त तथा दृढ़ उत्साहित थे' व विचारवान ,कर्मशील एवं देश के संजग रक्षक थे जरा सोचो विचारों का इतना घनघोर पतन दुनिया के सर्वोच्च कहे जाने वाले हम लोग आज निर्बल आसहाय यसनी यह और संस्कृति से विमुख हो चुके हैं आओ जाने सच में हमने क्या कुछ खो दिया क्या राष्ट्र फिर से अपना सम्मान पा सकेगा यह युवाओं का सपना है आज 130 करोड़ भारतीयों को यह मालूम नहीं कि आजादी दिलवाने वाले गरम दल क्रांतिकारी वीरों के सपने क्या थे भारत को आजाद कराने के लिए उन्होंने ना हिंदू देखा ना मुसलमान, ना सीख ,ना ईसाई एक ही जुनून था भारत माता को आजाद कराना अंग्रेज फिरंगी को यहां से भगाना और आज युवा किस दिशा में जा रहा है क्या वह अपने राष्ट्र के प्रति अपना कर्तव्य निभा रहा है। भगत सिंह कहते थे आजादी का मतलब ये है कि इंसान द्वारा इंसान का शोषण जब तक जारी रहेगा तब तक हमें आजादी नहीं मिलेगा। सत्ता परिवर्तन के साथ साथ व्यवस्था परिवर्तन भी जरूरी हैं। हर व्यक्ति को भगत सिंह के तीन मुल मंत्र अपनाना चाहिए त्याग, सेवा और बलिदान जिससे

हम एक सामाजिक वतन की और अग्रसर होंगे। राष्ट्रीय सैनिक संस्था और सहयोगी संस्थाएं भीम ब्रिगेड ,लोक सेवादार संस्था ,शाइनिंग स्टार , समर्पण सोशल वेलफेयर ट्रस्ट के सहयोग से कार्यक्रम या गए कार्यक्रम में उपस्थित उधार स्वतंत्रता सेनानी परिवार से सुखविंदर सिंह सिद्धू ,सुशील खन्ना, , चमन नागर डी के मेहंदी रता ,संगीतकार सुरेंद्र जी, लोकेश जी, समाज सेवक हुकम सिंह जी महेश जैन जी दक्ष गोयल ,शैल पासवान, रीमा जी ,त्रिवेणी जी ,बाल कलाकार वंशु मशहूर मॉडल हितेश शर्मा ने भगत सिंह जी के ऊपर 10 मिनट का नाट्य रूपांतर किया जिसे देख कर सब अचंभित रह गए मशहूर कलाकार अनीस दुर्रानी जी ने भी कर चले फिदा जाने वतन साथियों पर सबका दिल मोह लिया मशहूर शायर आरिफ देहलवी जीने गजल पड़ी कहां है आजादी से पहले वाला हिंदुस्तान हमें लौटा दो सोने की चिड़िया कहलाने वाला हिंदुस्तान संगीतकार सोनू चंदेल, दीपक जी ,अशोक जी ,और कंचन जी ने भी देश भक्ति के गाने गाए कार्यक्रम में आए देशभक्तों ने शहीद भगत सिंह जी को पुष्पांजलि अर्पित की।

पैसे का मोह छोड़ भौतिक विज्ञानी ने शोधार्थियों को दान कर दिए 11 करोड़ रुपये

प्रयागराज ब्यूरो : पैसे का मोह छोड़ देश की युवा पीढ़ी को कैसे ऊंचाइयों तक पहुंचाना है, यह कोई पद्मश्री व पद्मभूषण पुरस्कार विजेता प्रो. अशोक सेन से सीखे। दुनिया के शीर्ष पांच भौतिक वैज्ञानिकों में शामिल प्रो. अशोक सेन पुरस्कार स्वरूप मिले 11 करोड़ रुपये शोधार्थियों के लिए दान कर चुके हैं। हरिश्चंद्र शोध संस्थान ने एक साल पहले सेवानिवृत्त हो चुके प्रो. सेन को बतौर अमेरिटस प्रोफेसर नियुक्त किया है। वर्ष 1997 में बतौर भौतिक वैज्ञानिक प्रोफेसर अशोक सेन झूंसी के हरिश्चंद्र शोध संस्थान में आए थे। तब से 2021 तक वह लगातार भौतिक विज्ञान के विभिन्न शोध कार्यों के लिए पुरस्कारों से नवाजे गए। जुलाई 2012 में उन्हें ब्रेक थ्रू–प्राइज इन फंडामेंटल फिजिक्स से सम्मानित किया गया था। बतौर पुरस्कार 30 लाख डॉलर (लगभग 16 करोड़ रुपये) नकद मिले थे। इनमें से तकरीबन पांच करोड़ रुपये प्रोफेसर सेन ने इनकम टैक्स जमा किया था। बाकी की धनराशि भौतिक विज्ञान के शोध कार्य के लिए विभिन्न संस्थानों को दे दी। प्रो. सेन की विशेषज्ञता का क्षेत्र उच्च ऊर्जा भौतिकी (हाई एनर्जी फिजिक्स) है। 15 जुलाई 1956 को कोलकाता में जन्मे अशोक सेन स्कॉटिश चर्च कॉलेज में भौतिकी के प्रोफेसर अनिल कुमार सेन के बड़े बेटे हैं। अशोक सेन की मां गौरी सेन एक सामान्य गृहिणी हैं। वर्तमान में प्रोफेसर अशोक सेन बेंगलूरू के आईसीटीएस

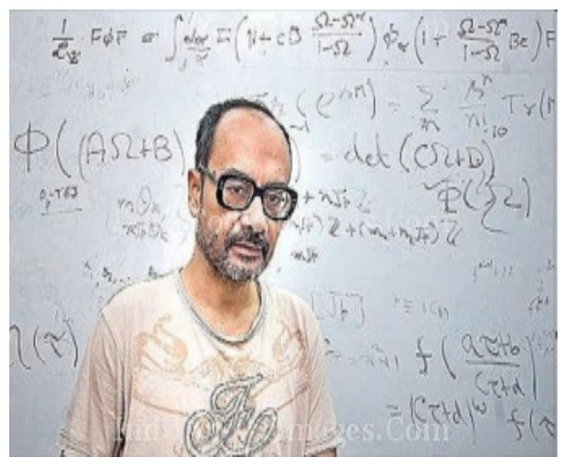

(सेंटर फॉर थ्योरेटिकल साइंस) संस्थान में बतौर वरिष्ठ वैज्ञानिक विभिन्न शोध कार्य में जुटे हुए हैं। प्रोफेसर सेन की उपलब्धि पर एचआरआई के निदेशक प्रोफेसर पिनाकी मजूमदार को भी गर्व है। प्रो. सेन की उपलब्धियां व पुरस्कार डिराक मेडल, डॉक्टर ऑफ लिटरेचर (मानद) जादवपुर विश्वविद्यालय, डॉक्टर ऑफ साइंस (ऑनोरिस कौसा) आईआईटी बॉम्बे, एमपी बिड़ला मेमोरियल अवार्ड, पद्म श्री व पद्म भूषण पुरस्कार, मौलिक भौतिकी पुरस्कार। गणितीय विज्ञान में इंफोसिस पुरस्कार, आईआईटी कानपुर द्वारा विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार, एसएस भटनागर पुरस्कार व आईसीटीपी पुरस्कार।

अग्रहरि समाज ने धूमधाम से मनाया अग्रसेन की जयंती

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : महाराजा अग्रसेन जी महाराज की 7158 वर्ष पूर्ण होने पर महाराज की जयंती जिला अग्रहरी समाज जौनपुर ने धूमधाम से भव्य दिव्य तरीके से मनाई ।महाराजा अग्रसेन जो कि गरीबों के मसीहा और उनके राज्य में कोई भी दुखी नहीं था एक मुद्रा और एक चांदी की ईंट के प्रणेता की जयंती जिला अग्रहरि समाज एवं संपूर्ण जौनपुर अग्रहरि समाज ने भव्य दिव्य तरीके से धूमधाम से मनाया। जिला अग्रहरी समाज के जिला अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि मनोज अग्रहरि ने इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन जी की भव्य दिव्य तस्वीर पर माल्यार्पण कर तथा दीप जलाकर पूरे कार्यक्रम की शुरुआत की गई एवं इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक जंगी लाल अग्रहरी के सौजन्य से सभी संरक्षक गण मुख्य अतिथि एवं अग्रहरी बंधुओं को माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह तथा अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया जिला अध्यक्ष ने महाराजा अग्रसेन की की जीवनी एवं उनके कार्यों पर प्रकाश डाला तथा उनके राज्य प्रजा के खुशहाली का एवं एकजुटता का मूल मंत्र देते हुए सभी को एक रहने का आह्वान किया तथा उन्होंने बताया संघे शक्ति युगे युगे अर्थात अगर सब लोग संग रहेंगे तो कोई हमें हरा नहीं सकता जिला अध्यक्ष मनोज अग्रहरि ने आह्वान किया की अगर किसी को भी किसी तरह की विपन्नता की कोई भी समस्या हो शिक्षा में स्वास्थ्य में या फिर किसी भी क्षेत्र में तो हमारा जिला अग्रहरि समाज एकजुट होकर के उनके नेतृत्व में सहायता प्रदान करेगा तथा अगर कोई व्यक्ति राजनीतिक रूप से या फिर सामाजिक रूप से कोई अच्छा कार्य करना चाहे तो उसका भी स्वागत है कार्यकारी जिला अध्यक्ष विनोद अग्रहरि ने अग्रसेन जयंती को बनाने पर जोर दिया तथा लोगों को इसे एक उत्सव के रूप में मनाने के लिए आह्वान किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री रविंद्र अग्रहरी ने सभी को अग्रसेन जयंती की बधाई देते हुए सब को एकजुट रहने का मंत्र दिया इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र अग्रहरी में सभी को अग्रसेन जी की जयंती का महत्व बताते हुए आह्वान किया कि हमें उनके बताए गए मार्गों को अपनाना होगा इस अवसर पर श्री कामता प्रसाद अग्रहरी पूर्व खंड विकास अधिकारी ने सभी को एकजुट रहने के लिए आह्वान करते हुए कहा कि हमारा अग्रहरी समाज किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है और आगे भी पीछे नहीं रहेगा और उन्होंने सब को बधाई देते हुए पूरे कार्यक्रम की प्रशंसा की इस अवसर पर प्रमुख वक्ताओं में श्री श्याम चंद्र अग्रहरी ने सभी को अग्रसेन जयंती की बधाई देते हुए सभी को आह्वान किया कि इस जयंती के मायने तभी हैं जब हम उनको अक्षरशः पालन करें इस अवसर पर प्रमुख वक्ताओं में श्री लालचंद अग्रहरी एडवोकेट ने भी अग्रसेन जयंती की बधाई दी मुन्ना लाल अग्रहरी ने सभी को आह्वान किया कि हमें एकजुट रहना होगा इस अवसर पर प्रमुख वक्ता में मदन लाल अग्रहरी एवं श्री सत्य प्रकाश अग्रहरि एवं विक्रम कुमार अग्रहरी एवं अरविंद अग्रहरि एवं दीपक अग्रहरि एवं विकास अग्रहरी डॉक्टर सुशील अग्रहरी रहे कार्यक्रम का कुशल सफल संचालन संतोष अग्रहरी प्रदेश युवा महामंत्री ने किया। विजेंद्र अग्रहरी ने सभी अग्रहरी बंधुओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

गोलियों की तड़तड़ाहट से क्षेत्र में दहशत का माहौल : मामूली कहा सुनी में युवक को मारी गोली : ट्रामा सेन्टर रिफर

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : क्षेत्र के ग्राम सिझवार निवासी ऋषिकान्त यादव को मामूली विवाद में तथा कथित दबंग ने मंगलवार को पूर्वान्ह लगभग साढ़े दस बजे मिथलेस यादव के घर के पास गोली मार दिया। गोली लगने की वजह से ऋषि लहूलुहान होकर वही गिरकर छटपटाने लगा। गौरतलब है कि ऋषि अपने खेत जो सुरहुरपुर डेउरिया में स्थित है उसमें अपने पत्नी कलावती देवी के साथ सगड़ी लेकर मवेशी को चारा काटने गये थे। जब सगड़ी पर चार बोझ चरी लादकर पत्नी समेत घर आ रहे थे। तभी पहले से रामाकांत यादव के खेत मे अपनी भैंस चरा रहे सुरहुरपुर के दबंग बदमाश से ब्रम्हदेव यादव सीधे खेत मे भैंस न घुसाने की बात को लेकर बहस कर रहे थे, तभी मौके पर उपस्थित ऋषि भी उलाहना देने लगे। जिससे खार खाये बदमाश ने ब्रम्हदेव और कलावती देवी कर सामने ही ऋषि को पिस्टल से गोली मार दिया। जिसके चलते ऋषि वही गिर पड़े। ऋषि को छटपटाते देख ब्रम्हदेव सीधे घर पहुँच कर परिजनों को घटना की जानकारी दिया। मौके पर पहुँचे परिजन घायलावस्था में ऋषि को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गये, जहां स्थिति नाजुक देख चिकित्सकों ने ऋषि को ट्रामा सेन्टर रिफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही

मौके पर पहुचीं पुलिस ने मौका मुआयना कर जमीन पर गिरे खून का नमूना उठाते हुए जरूरी जांच पड़ताल किया। और पीड़ित की पत्नी से घटना के बारे जानकारी जुटाया। वही ऋषि यादव की स्थित नाजुक बनी हुई है। साफ क्षवि और सालीन व्यक्ति ऋषि यादव से किसी से नही था कोई विवाद अपने तीन भाइयों ने सबसे छोटे ऋषिकान्त सबसे छोटे थे, उनके दो बड़े भाई उमेश और रमेश यादव मुम्बई रहते हैं। ऋषि यादव के कुल चार सन्तानो में पुत्रियाँ वर्तिका, कृतिका, दिशा और पुत्र अंश यादव है। साफ क्षवि और सालीन स्वभाव के व्यक्ति ऋषिकान्त का गाँव मे किसी से कोई विवाद नही था। गोली मारे जाने से ऋषि के परिजनों मातम का माहौल साफ नजर आ रहा है, घर की महिलाओं का रो रोकर बुरा हाल है।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री मोदी को लिखा गया शुभकामनाएं एवं अभिनंदन पत्र

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत शुभकामनाएं एवं अभिनंदन पत्र लिखा गया। पत्र मे कार्यकर्ताओ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किए जा रहे देश के लिए सराहनीय कार्य का उल्लेख कर उनके पते मे पोस्ट किया साथ ही कार्यकर्ताओ ने उनके जन्मदिन की बधाई भी दी इस अवसर पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार गरीब कल्याण को समर्पित है सरकार की सेवा व गरीब कल्याण की नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश ही नहीं पूरे देश में मोदी के प्रति जनता के मन में विश्वास और भी अधिक गहरा हुआ है केन्द्र सरकार गरीब परिवार के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना महिलाओ के लिए निःशुल्क गैस कनेक्शन व

देश की जनता को कोरोना से मुक्ति दिलाने निःशुल्क वैक्सीन लगवाया जा रहा। कार्यक्रम मे जिला महामंत्री सुशील मिश्रा, अमित श्रीवास्तव, जिला कार्यक्रम के संयोजक जिला उपाध्यक्ष सुधाकर उपाध्याय आमोद सिंह, रोहन सिंह, अवनीश यादव सहित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लखीमपुर खीरी में बड़ा सड़क हादसा : डीसीएम और बस में भीषण टक्कर : आठ की मौत व 25 से ज्यादा घायल

लखीमपुर खीरी ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में कई महिलाओं समेत आठ यात्रियों की मौत हो गई। घटना में करीब 25 लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गंभीर रूप से छह घायलों को लखनऊ रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार, प्राइवेट बस बुधवार सुबह करीब सात बजे धौरहरा से लखीमपुर के लिए रवाना हुई थी, जबकि डीसीएम लखीमपुर से बहराइच की ओर जा रही थी। शारदा पुल पर अनियंत्रित डीसीएम बस से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के परखच्चे उड़ गए और डीसीएम मौके

पर पलट गई। हादसे में डीसीएम के हेल्पर और बस में सवार छह यात्रियों की मौके पर मौत हो गई और करीब 25 यात्री घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां दो और यात्रियों की मौत हो गई। आठों शवों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। घटना की सूचना पाकर डीएम महेंद्र बहादुर सिंह और एसपी संजीव सुमन मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य तेज करने के निर्देश दिए। कमिश्नर रोशन जैकब भी कुछ ही देर में लखीमपुर आ गईं और अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना।

जिलाधिकारी से मिला राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद का प्रतिनिधि मंडल

जौनपुर डीकेयू ब्यूरो : आज राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद जौनपुर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल जिला अध्यक्ष डॉ प्रदीप सिंह के नेतृत्व में औपचारिक शिष्टाचार भेंट करने जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी,जिला पंचायत राज अधिकारी एवं जिला

अर्थ एवं संख्या अधिकारी से मिला। जिलाधिकारी जौनपुर ने प्रतिनिधिमंडल के अनुरोध एवं शासन के दिशा निर्देश के अनुरूप प्रत्येक माह कर्मचारियों की समस्याओं को सुनने के लिए एक निश्चित दिन तय करने हेतु पत्र जारी करने का निर्देश मौके पर उपस्थित एडीएम वित्त को दिया। मुख्य विकास अधिकारी जौनपुर ने उपस्थित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं एवं धन्यवाद देते हुए सभी को विकास की गति बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। जिला विकास अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी ने दशहरे के पूर्व वेतन भुगतान हेतु संबंधित पटल को आदेशित किया तथा कैशलेस चिकित्सा कार्ड को अति शीघ्र उचित माध्यम से क्रियाशील कर क्षेत्रीय कर्मचारियों को उपलब्ध कराने का वादा किया। जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों में वरिष्ठ उपाध्यक्ष इं. राजकुमार गुप्ता, जिला मंत्री देवेश कुमार यादव, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह,डॉ.फूलचंद कनौजिया, कोषाध्यक्ष रामकृष्ण पाल,संप्रेक्षक अमर बहादुर यादव,संयुक्त मंत्री इं. सुजीत विश्वकर्मा एवं अजय लाल मौर्य आदि उपस्थित रहे।

वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत : परिजन ने लगाया हत्या का आरोप

रिपोर्ट जनार्दन श्रीवास्तव हरदोई : मंगलवार की शाम को पाली थाना क्षेत्र के एक गांव में संदिग्ध परिस्थितियों के चलते वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई। बेटे ने गांव के ही लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी गयी है।पाली थाना क्षेत्र के नगरा कन्हारी गांव निवासी ईश्वर दयाल (85) की संदिग्ध परिस्थितियों में मंगलवार की शाम को अचानक मौत हो गयी। ग्रामीणों की सूचना पर पड़ोसी जनपद शाहजहांपुर के ददरौल थाना कांट मे अपने परिवार के साथ रह रहे बेटे द्रगपाल को पिता की मौत की सूचना ग्रामीणों ने दी। पिता की मौत की सूचना पाकर परिवार में कोहराम मच गया। द्रगपाल ने पुलिस को दिये गये प्रार्थना पत्र में अपने ही चचेरे भाई आदेश, मुलायम, मदन, पुत्र गण राम सिंह पर जमीन जायदाद अपने नाम करवाने के बाद उनकी हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार कौल ने बताया कि वृद्ध की हत्या का मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही की जायेगी।

फीस वृद्धि के विरोध में छात्रों ने की भू–समाधि लेने की कोशिश : पुलिस से झड़प

प्रयागराज ब्यूरो : इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में छात्रों ने मंगलवार को भूसमाधि लेने की कोशिश की। पुलिस ने उन्हें रोका तो छात्रों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। इस बीच जनता दल यूनाइटेड (जदयू) और अधिवक्ता ने अनशन स्थल पर पहुंचकर छात्रों के आंदोलन को अपना समर्थन दिया और एबीवीपी की ओर से प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति को तीन हजार पोस्टकार्ड भेजे गए। संयुक्त संघर्ष समिति की ओर सेज ारी आमरण अनशन

के दौरान मंगलवार को छात्रों फीस वृद्धि के विरोध में भूसमाधि लेने की कोशिश की। छात्रों ने अनशन स्थल के पीछे गड्ढा खोदा और उसमें कूद पड़े। सामने पुलिस फोर्स मौजूद थे। पुलिस ने छात्रों को गड्ढे से बाहर निकला और वहां से हटा दिया। इस दौरान छात्रों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। इस बीच जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रदेश भारी सत्येंद्र पटेल के नेतृत्व में पहुंचने प्रतिनिधिमंडल ने अपना समर्थन देते हुए कहा कि वे पूरी तरह से छात्रों के साथ हैं। छात्रों से कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर प्रतिनिधिमंडल यहां आया है। जल्द ही बिहार के मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नितीश कुमार का भी समर्थन मिलेगा। फीस वृद्धि वापस नहीं हुई तो नौ अक्तूबर को बिहार से जदयू के सांसदों एवं विधायकों का प्रतिनिमंडल आएगा। इस दौरान छात्रसंघ भवन के सामने अनशन स्थल पर हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता केके राय एवं राजवेंद्र सिंह के नेतृत्व में दर्जनों अधिवक्ता पहुंचे और उन्होंने आंदोलन को अपना समर्थन दियावहीं, एबीवीपी की विश्वविद्यालय इकाई की ओर से डीएसडब्ल्यू कार्यालय पर 16 दिनों से पूर्णकालिक अनशन जारी है। मंगलवार को एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को 3000 पोस्टकार्ड पर शुल्क वृद्धि के विरुद्ध छात्र–छात्राओं के संदेश लिखवाकर भेजे। आज आएंगे एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीरज कुंदन बुधवार को इलाहाबाद विश्वविद्यालय पहुंचेंगे और संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले जारी छात्रों के आमरण अनशन में शामिल होकर आंदोलन को अपना समर्थन देंगे। वह दोपहर एक बजे अनशन स्थल पर आएंगे। छात्र नेता की नाक से निकला खून, भर्ती फीस वृद्धि के विरोध में छात्रसंघ भवन के सामने छात्र नेता अखिलेश यादव, अजय यादव सम्राट, अजय पांडेय बागी, शाश्वत नितिन भूषण और सिद्धार्थ कुमार गोली आमरण अनशन कर रहे हैं। मंगलवार को शाश्वत नितिन भूषण की नाक से अचानक खून निकल आया और वहां अफसतफरी मच गई। छात्र नेता को तुरंत एंबुलेंस से ले जाकर बेली अस्पताल में भर्ती कराया गया।

10 अक्टूबर को मनाया जाएगा बारावफात का पर्व : भरत मिलाप को देखते हुए मरकजीत सीरत कमेटी ने लिया फैसला

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : मरकजी सीरत कमेटी ने एक बार फिर शिराजे हिन्द की गंगा जमुनी तहजीब की मिशाल पेश करते हुए इस वर्ष आठ अक्टूबर को पंडित जी का भारत मिलाप होने के कारण ईद मिलादुन्नबी (बारावफात) को एक दिन आगे बढ़ाने का एलान किया है। 9 अक्टूबर को पड़ने वाले इस त्योहार को 10 अक्टूबर को मनाने का फैसला लिया है। मरकजी सीरत कमेटी के सदर हफीज शाह ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेस कर पत्रकरो से बात करते हुए बताया कि इस्लामिक कैलेंडर और चांद के अनुसार इस वर्ष ईद मिलादुन्नबी (बारावफात) 9 अक्टूबर को पड़ रहा है लेकिन 8 तारीख को पंडितजी रामलीला का भारत मिलाप भी मनाया जाएगा। नौ तारीख तक भारत मिलाप की सजावट तथा भोर तक मेला रहने के कारण बारावफात की सजावट समेत अन्य तैयारियां होने में दिक्कत आएगी जिसे देखते हुए कमेटी ने 10 अक्टूबर को ईद मिलादुन्नबी (बारावफात) मनाया जायेगा। यह निर्णय जिले की गंगा जमुनी तहजीब कायम रखने के उद्देश्य से लिया गया है। उन्होंने बताया

कि इससे पूर्व 2005 में बारावफात के दिन होलिका दहन का पर्व पड़ने के कारण तारीख में परिवर्तन किया गया था। अपनी गंगा जमुनी तहजीब के लिए जाना जाने वाला शहर जनपद जौनपुर हमेशा से अमन–चौन पसंद का शहर माना जाता है जिस कारण यहां पूरे देश में यदा–कदा होने वाली हिंदू मुस्लिम मारपीट या दंगों की आंच भी जनपद में नहीं पड़ती है। मरकरी सीरत कमेटी ने एक बार फिर इस बात को सिद्ध कर दिया है कि जनपद के हिंदू मुस्लिम भाई आपस में किस तरह से भाईचारे के साथ एक दूसरे का त्योहार मनाते हैं औरों के लिए भी संदेश देने का काम कर रहा है।

अक्टूबर में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में इप्सेफ करेगी बड़े आंदोलन की घोषणा

लखनऊ डीकेयू ब्यूरो : इंडियन पब्लिक सर्विस इंप्लाइज फेडरेशन (इप्सेफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी. पी मिश्र एवं महामंत्री प्रेमचंद्र ने कहा है कि अंग्रेजों के समय से मिल रही पेंशन को बहाल न करना अन्याय पूर्ण है भारत सरकार प्रधानमंत्री सांसद एवं विधायक सभी को पेंशन दे रही है। चिंता का विषय है कि सरकारी कर्मचारी गांव से लेकर सचिवालय तक का सभी कार्य कर्मचारी ही तो करता है। कोविड–19 महामारी में डॉक्टर एवं कर्मचारियों ने मेहनत से जान पर खेलकर देश का नाम रोशन किया है। फिर उनके साथ अन्याय क्यों? श्री मिश्र ने खेद व्यक्त किया है कि प्रधानमंत्री जी को सभी सांसदों विधायकों ने पेंशन बहाली हेतु पत्र लिखा था। उन्होंने देशभर के कर्मचारियों को भी आगाह किया है कि उनके अस्तित्व पर खतरा बढ़ता जा रहा है। रिक्त पदों पर नियमित भर्ती नहीं हो रही है। चिकित्सालय सहित सभी विभागों में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों से कार्य कराया जा रहा है जिससे सरकारी कार्यों में समुचित प्रगति नहीं हो रही है ऐसा आभास हो रहा है कि अधिकतर संस्थानों में जब निजीकरण किया जा रहा है तो फिर पुरानी पेंशन पा रहे कर्मचारियों का भी भविष्य कहां सुरक्षित है एनपीएस वाले कर्मचारी जब सेवानिवृत्ति होंगे तो उनकी रोजी रोटी कैसे चलेगी। बच्चों का भविष्य भी अंधकारमय है। श्री मिश्र ने देशभर के कर्मचारियों/संगठनों से अपील की है कि पुरानी पेंशन बहाली एवं निजी करण रोकने के लिए तत्काल एकजुट होकर इप्सेफ के साथ भारत सरकार पर दबाव बनाएं। अलग–अलग संघर्ष करने से कुछ नहीं मिलेगा। राष्ट्रीय सचिव अतुल मिश्रा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जी को याद दिलाया है कि सांसद की हैसियत से उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री को पुरानी पेंशन बहाली करने की संस्तुति की थी कि उत्तर प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाल क्यों नहीं कर रहे हैं जैसे सात राज्य सरकारों ने पुरानी पेंशन बहाल कर दी है। उन्होंने केंद्र सरकार को आगाह किया है कि पेंशन बहाल ना होने पर आगामी लोकसभा चुनाव में कई करोड़ कर्मचारी परिवार का वोट नहीं मिलेगा।

पीएफआई के लिए चंदा और सदस्य जुटा रहा था निजामुद्दीन

अलीगढ़ ब्यूरो : अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 80 के दशक में सिटी हाईस्कूल के छात्र रहे पीएफआई समर्थित एसडीपीआई प्रदेशाध्यक्ष निजामुद्दीन ने एजेंसियों से पूछताछ में काफी अहम खुलासे किए हैं। पूछताछ में स्वीकारा है कि वह सरकार, राष्ट्रीय स्वयं संघ व भाजपा के खिलाफ गरीब, अनुसूचित, सिख व अल्पसंख्यक युवाओं को भड़काकर अपने संगठन से जोड़ने का काम कर रहा था। वर्तमान में मुख्य कार्यक्षेत्र पूर्वी यूपी था, जहां इसे 5 हजार सदस्य बनाने थे। साथ में चंदा एकत्रित करना भी इसका काम था। इसके अलावा, देश के अन्य 35 राज्यों में 35 लीडर पैदा करने के संगठन के मुख्य उद्देश्य में भी यह लगा हुआ था। सबसे खास बात है कि इसने खुद को पिछले चार साल से अलीगढ़ में परिवार सहित छिपा रखा था, मगर खुद के जरिये व सोशल मीडिया के जरिये खुद को दिल्ली में रहना बताता था। एजेंसियों के निर्देश पर एसटीएफ रात डेढ़ बजे के बाद तहरीर दी है, जिसके आधार पर थाना पुलिस मुकदमा आदि की औपचारिकताओं में जुटी थी। गुजरात और दक्षिण भारत में लंबे समय रहा एजेंसियों की पूछताछ में उसने खुद लंबे समय तक गुजरात में रहकर नेटवर्क खड़ा करने व दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में रहकर संगठन के लिए काम करना स्वीकारा है। उसका मूल काम सदस्य जोड़ना व चंदा जोड़ना रहा है। चूंकि, बलरामपुर में उस पर व उसकी गतिविधियों पर लोगों की नजर थी। इसलिए यहां किराये के मकान में छिपकर रह रहा था। लोगों को अपने विषय में दिल्ली में रहना बता रखा था। घर के खर्च के लिए संगठन से वेतन मिलता था। बाकी कहीं भी आने जाने से लेकर रहने खाने व संगठन की बैठक आदि के लिए भी खर्च मिलता था। सात दिन पहले भी उसने बहराइच में संगठन के लिए कार्यकर्ता सम्मेलन किया। हर जगह युवाओं को जोड़ना विशेष मकसद था। सरकार, संघ व भाजपा के खिलाफ उन्हें भड़काकर संगठन के लिए काम करना सिखाया जाता था। यह संगठन का बेहद महत्वपूर्ण किरदार माना गया है। इसके जरिए देश के यूपी के अलावा सभी 35 राज्यों में 35 नए युवा लीडर खड़ा करना भी संगठन की तैयारी में था। इस दिशा में अभी से निजामुद्दीन ने काम करना शुरू कर रखा था। शाम को पत्नी–बच्चों को लगी भनक, पहुंचे थाने सोमवार को आधी रात के बाद निजामुद्दीन को हिरासत में लिया गया। उस समय तक परिवार को यह पता था कि उसे साथ कहीं बाहर ले जाया गया है। मगर मंगलवार देर शाम यह जानकारी हो सकी कि अलीगढ़ में ही किसी गुप्त स्थान पर पूछताछ हो रही है। इस पर पत्नी व

बेटियां थाने पहुंचीं। मगर देर रात समाचार लिखे जाने तक निजामुद्दीन को थाने नहीं लाया गया था। ये भी खास बातें – 35 राज्यों में संगठन के लिए 35 लीडर खड़े करने का मिला था इसे लक्ष्य – पूर्वी यूपी वर्तमान में कार्यक्षेत्र, गुजरात व दक्षिण भारत में भी किया है काम – अपने संपर्क के सहारे अन्य राज्यों में फैला रहा था लगातार यह पूरा नेटवर्क – 27 हजार वेतन के अलावा टीए/डीए और मीटिंग खर्च अलग से मिलता था ये भी हैं आरोप – अनुसूचित जाति, सिखों, अल्पसंख्यक युवाओं व गरीबों को सरकार, भाजपा–संघ के खिलाफ भड़काना – जो लोग बहकावे में आएं उन्हें फिर अपने संगठन से जोड़कर सरकार के खिलाफ काम कराना बसपा से शुरू है निजामुद्दीन का सियासी सफर एजेंसियों की पूछताछ के अनुसार, निजामुद्दीन सबसे पहले 1988 में बसपा से जुड़ा। फिर पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. मसूद संग 1995 से 2007 तक रहा। उनके साथ अलग पार्टी भी बनाई। फिर राष्ट्रीय उलेमा काउंसिल से जुड़ा और 2013 से 2016 तक उलेमा काउंसिल के प्रदेशाध्यक्ष रहा। 2016 में पीएफआई और उससे समर्थित एसडीपीआई से जुड़ा। पहले पार्टी का राष्ट्रीय कोआर्डिनेटर, फिर 2018 में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और 2021 से पार्टी का प्रदेशाध्यक्ष है। एएमयू सिटी हाईस्कूल से की थी 80 के दशक में पढ़ाई खुद निजामुद्दीन ने अपनी फेसबुक आईडी पर यह तथ्य उल्लेखित कर रखा है, जिसमें 80 के दशक में एएमयू के सिटी हाईस्कूल से पढ़ाई करना बताया है। साथ ही, उस समय के शिक्षकों व साथी छात्रों को आज भी याद करता है। यह भी उस कंटेंट में उल्लेखित है कि स्कूल का वो क्या दौर था। तो सीएए–एनआरसी विरोधी उपद्रव के दौरान अलीगढ़ में था निजामुद्दीन दिसंबर 2019 में सीएए–एनआरसी विरोधी उपद्रव एएमयू, जमालपुर, जीवनगढ़, शाहजमाल आदि इलाकों में हुआ तो उस समय पीएफआई से फंडिंग और भड़काए जाने के इनपुट मिले थे। उस समय पीएफआई के कुछ सदस्यों को इनपुट के आधार पर अलीगढ़ से आगरा व फिरोजाबाद में भागकर छिपने पर तलाशा था। मगर वे मिल नहीं सके थे। अब चूंकि पूछताछ में यह उजागर हुआ है कि वह पिछले करीब 3–4 वर्ष से अलीगढ़ में है। इससे साफ है कि उस समय भी वह यहां था और उसने उन गतिविधियों में भाग लिया होगा। इन सवालों का जवाब भी एजेंसी पूछताछ के आधार पर तलाश रही है। ये हुआ बरामदः–इस्लामिक रिसर्च से जुड़ा साहित्य, आपत्तिजनक डेटा, उर्दू का कुछ साहित्य आदि।

रामनगरी में आठ हजार करोड़ के निवेश की तैयारी : देश–विदेश के निवेशकों को लुभा रही धर्मनगरी

लखनऊ ब्यूरो : राममंदिर निर्माण के साथ ही तेजी से बदल रही अयोध्या भक्तों व पर्यटकों के साथ–साथ देश–विदेश के निवेशकों को भी लुभा रही है। हाल ही में विदेश के निवेशकों ने यहां आकर निवेश की संभावनाएं भी तलाशी हैं। अयोध्या में कई बड़े उद्यमी करीब आठ हजार करोड़ रुपये का निवेश होटल, धर्मशाला, अस्पताल व स्कूल आदि में करना चाहते हैं। अयोध्या को विश्वस्तरीय पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार करीब 34 हजार करोड़ की योजनाओं पर काम कर रही हैं। अयोध्या न सिर्फ आस्था बल्कि विश्वस्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में भी सज–संवर रही है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक रामनगरी पर्यटन का हब बनने की ओर अग्रसर है। मई से लेकर अगस्त तक चार महीनों में करीब पांच हजार विदेशी पर्यटक अयोध्या पहुंच चुके हैं। श्रद्धालुओं की संख्या लाखों में है। पर्यटन विभाग के मुताबिक अयोध्या में 32 होटलों का निर्माण होने जा रहा है। इसी तरह 1200 एकड़ में बस रही नव्य अयोध्या में देश के आठ राज्यों उप्र, सिक्किम, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, गुजरात, कर्नाटक व अन्य सहित श्रीलंका व नेपाल ने भी अपने लिए जमीन मांगी है। यह अयोध्या में पर्यटन विकास की प्रशस्त हो रही संभावनाओं का संकेत है। इंवेस्टर्स समिट में एमओयू कर सकती हैं कई कंपनियां पर्यटन विभाग के उपनिदेशक राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि कि अयोध्या में करीब आठ हजार करोड़ रुपये के निवेश की तैयारी है। पिछले सप्ताह विदेशी उद्योगपतियों के एक दल ने अयोध्या भ्रमण कर निवेश की संभावनाएं देखी थीं। लखनऊ में नवंबर–दिसंबर में

प्रस्तावित इन्वेस्टर्स समिट में अलग–अलग परियोजनाओं को लेकर एमओयू होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि निवेशक अयोध्या में थीम पार्क, लाइट शो, रिसॉर्ट होटल, धर्मशाला, अस्पताल, स्कूल, वेलनेस सेंटर, फिल्म–मीडिया आदि क्षेत्र में निवेश के इच्छुक हैं। 40 से अधिक कंपनियां निवेश की तैयारी में पिछले वर्ष लखनऊ में हुई इन्वेस्टर्स समिट में शामिल कई बड़े उद्योगपतियों ने अयोध्या भ्रमण कर निवेश की संभावनाएं देखी थी। प्रदेश सरकार के आर्थिक सलाहकार केबी राजू भी अयोध्या पहुंचे थे। यहां चल रही योजनाओं में सरकार निजी क्षेत्र की भी सहभागिता चाह रही थी। इसके लिए श्री अयोध्या धाम इन्वेस्टर्स समिट 2021 का प्रस्ताव तैयार किया गया था। जिसमें करीब पांच हजार करोड़ रुपये अयोध्या के विकास कार्यों के लिए निवेश कराने का लक्ष्य बना था। निवेश के लिए करीब 120 कंपनियों को आमंत्रित भी किया गया था। जिसमें से 40 से अधिक कंपनियों ने निवेश को शहर से स्वीकृति प्रदान कर दी है।

जिला अस्पताल का हाल : ऑपरेशन कराना है तो खरीद कर लाओ सर्जरी का सामान : यहां सिर्फ ओटी और बेड मिलेगा

बाराबंकी ब्यूरो : बाराबंकी जिला अस्पताल में ऑपरेशन कराना है तो सर्जरी का सामान बाहर से खरीद कर लाना पड़ेगा। यहां सिर्फ ओटी और बेड की सुविधा ही मिल पाएगी। जिला अस्पताल समेत फर्स्ट रेफरल यूनिटों का कुछ ऐसा ही हाल है। यहां पर भर्ती मरीज कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। क्योंकि उन्हें पता है कि यदि उन्होंने मुंह खोला तो सुबह रेफर का पर्चा हाथ में थमा दिया जाएगा। जबकि अस्पतालों में सभी प्रकार की सुविधाएं मुफ्त हैं। इसके बाद भी यहां आने वाले मरीजों को हजारों रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। जिला अस्पताल में भर्ती मरीज आमिर ने बताया कि पैर टूट गया है। एक सप्ताह से अस्पताल में भर्ती हूं। रुई, पट्टी से लेकर कई दवाएं तक बाहर से लानी पड़ रही हैं। यहीं नहीं ऑपरेशन करने से पहले कई जांचें तक बाहर से कराई गई। इसी वार्ड में भर्ती राज यादव ने बताया कि आज पैर के ऑपरेशन को 11 दिन हो चुके हैं। अब तक करीब 30 हजार रुपया खर्च हो चुका है। ऑपरेशन के दौरान रुई, पट्टी से लेकर जो रॉड पैर में डाली गई है वह भी बाहर से लानी पड़ी है। अस्पताल में सिर्फ बेड और ओटी की सुविधा फ्री मिली है। बाकी तो सबके लिए पैसा ही खर्च करना पड़ रहा है। जबकि अस्पताल के पास इन सब सामानों की खरीद के लिए बजट है। इसके बाद भी मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। जिले में सबसे खराब हालत फर्स्ट रेफर यूनिटों की है। ये यूनिटें ग्रामीण क्षेत्र की प्रसूताओं के लिए शुरू की गई थीं ताकि यहां पर ऑपरेशन के जरिए प्रसव कराए जा सके। अप्रैल माह से अब तक 811 प्रसव ऑपरेशन के जरिए कराने का दावा

किया गया है परंतु हकीकत ये है कि अप्रैल से अब तक सर्जरी का सामान किसी भी यूनिट को नहीं मिला है। सूत्र बताते है कि ज्यादातर एफआरयू पर बेहोशी की दवा तक नहीं है। सूचर (टांका लगाने वाला धागा) तक बाहर से लाना पड़ रहा है। यहीं नहीं ड्रेसिंग के लिए रुई और पट्टी तक मरीजों को खरीद कर लानी पड़ रही है। जबकि प्रत्येक यूनिट को इसके लिए एक लाख रुपये का बजट मिलता है। इसके बाद भी यहां पर आने वाली प्रसूताओं को ये सब बाहर से खरीदना पड़ रहा है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश कुशवाहा का कहना है कि जिला अस्पताल में सर्जरी का पूरा सामान मौजूद है। जो सामान नहीं होता है उसकी खरीद बाहर से की जाती है। मरीजों से बाहर से सामान मंगाना पूरी तरह से गलत है। यदि ऐसा हो रहा है तो इसकी जांच कराकर ऐसा करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। एसीएमओ/नोडल अधिकारी एनएचएम डॉ. केएनएम त्रिपाठी का कहना है कि सीएचसी पर बनी फर्स्ट रेफर यूनिटें खासकर प्रसव पीड़िताओं के लिए ही हैं। यहां पर सर्जरी का सामान खरीदने के लिए अलग से बजट का प्रावधान है। इसके बाद भी यदि सर्जरी का सामान बाहर से मंगवाया जा रहा है तो यह बहुत गलत है। इसकी जांच कराई जाएगी।

सपा का प्रदेश सम्मेलन : नरेश उत्तम पटेल दोबारा प्रदेश अध्यक्ष बने : समाज बांटने वालों को हटाएंगे –अखिलेश यादव

लखनऊ ब्यूरो : समाजवादी पार्टी के प्रदेश सम्मेलन में नरेश उत्तम पटेल को सपा का दोबारा प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है। सपा नेता प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए केवल एक ही नामांकन आया है। नरेश उत्तम का प्रस्ताव पर्चा सही पाया गया। बताया जा रहा है कि नरेश उत्तम को अखिलेश यादव के करीबी होने का लाभ मिला है। 2017 में जब विवाद हुआ था तो अखिलेश यादव ने नरेश उत्तम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। अब दोबारा उन्हें ही प्रदेश अध्यक्ष चुना गया है। प्रदेश सम्मेलन का आयोजन लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर मैदान में हो रहा है। इस मौके पर अपने संबोधन में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि हमारा सपना है कि समाज को बांटने वाली ताकतों को सत्ता से बाहर करेंगे। सपा ने पिछले लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक फैसला लिया था। हमने बहुजन समाज की ताकत को एक मंच पर लाने का प्रयास किया। हर स्तर पर त्याग किया। डॉ आंबेडकर और लोहिया के सपनों को साकार करने की कोशिश की थी। समाजवादी लोग बड़ी जीत चाहते थे लेकिन सत्ता में बैठे लोगों ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि 2022 में हम समान विचारधारा के लोगों को एक मंच पर लाए। सत्ता नहीं मिली लेकिन वोट प्रतिशत बढ़ा। उन्होंने कहा कि सिर्फ सपा ही सांप्रदायिक ताकतों को रोक सकती है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाई और कहा कि हम जब भी सत्ता में आएंगे किसानों के लिए काम करेंगे। सर्वसमाज को शिक्षित करेंगे। सपा अध्यक्ष ने कहा कि सपा सरकार ने जो काम किया था भाजपा उससे आगे कुछ भी नहीं

कर पाई है। उन्होंने अपने भाषण में मेट्रो निर्माण और नदियों की सफाई आदि का मुद्दा उठाया। कार्यक्रम की शुरुआत में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद पार्टी का ध्वज फहराया गया। सम्मेलन को लेकर सपाइयों में जोश प्रांतीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर सपा नेताओं में जबरदस्त जोश है। पार्टी कार्यालय से लेकर रमाबाई अंबेडकर मैदान तक सड़क के दोनों तरफ सपाई झंडे लगाए गए हैं। जगह–जगह बैनर पोस्टर के साथ कटआउट भी लगाए गए हैं। खास बात यह है कि ज्यादातर कटआउट पर सिर्फ अखिलेश यादव नजर आ रहे हैं। कुछ में सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव और आजम खां, प्रो रामगोपाल सहित अन्य स्थानीय नेताओं की तस्वीर लगी है। लेकिन ये कटआउट इस बात की तस्दीक कर रहे हैं कि यह सम्मेलन पूरी तरह से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर केंद्रित है।

सभी शिक्षक शिक्षण योजना बनाकर ही करे शिक्षण कार्य – डायट प्राचार्य

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान अयोध्या की प्राचार्या सन्ध्या श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार राय, जिला समन्वयक (प्रशिक्षण) सुनील कुमार श्रीवास्तव, सभी विकास खंड के खंड शिक्षा अधिकारी, समस्त ए आर पी तथा सभी एस आर जी की उपस्थिति मे जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से किया गया।इस मौके पर डायट प्राचार्य संध्या श्रीवास्तव ने इस समय सभी डायट मेंटर , एस आर जी तथा ए आर पी द्वारा किए जाने वाले सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के दौरान शिक्षक संदर्शिका पर चर्चा एवं उपलब्ध कराए गए गणित किट , पोस्टर्स, चार्ट , सहज पुस्तिकाओं का उपयोग दैनिक कक्षा शिक्षण में कराए जाने के लिए सभी शिक्षको को प्रेरित करने का आह्वान किया।इस मौके पर उन्होंने सभी से अनुश्रवण के दौरान शिक्षण योजना बनाकर ही शिक्षकों द्वारा शिक्षण कार्य करने के लिए प्रेरित करने को कहा द्यवही इसी कड़ी में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने इस समय संचालित हो रहे निपुण भारत मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण में प्रशिक्षक के रूप में कार्य कर रहे सभी ए आर पी से कहा कि प्रशिक्षण के उपरांत सभी शिक्षक अपने विद्यालय के बच्चों को निपुण लक्ष्य हासिल करवाने में लग जाय। इस मौके पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने सभी ए आर पी और एस आर

जी से राष्ट्रीय आय एवं छात्रवृत्ति परीक्षा में जनपद अयोध्या के लक्ष्य 10,000 आवेदन फॉर्म भरवाए जाने की बात कही। इस मौके पर एस आर जी डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी ने जनपद अयोध्या में निपुण भारत को जन आंदोलन बनाने, निपुण लक्ष्य एप, दीक्षा एप, रीड अलोग एप के उपयोग को बढावा देने की रणनीति, परिवर्धित कक्षा कक्ष का अनुश्रवण, शिक्षकों को उनके अच्छे कार्यों के लिए प्रोत्साहित करने तथा अकादमिक डिजाइन को क्रियान्वित करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की।एस आर जी अमित कुमार मिश्र ने दीक्षा प्रशिक्षण में बहुत कम शिक्षकों द्वारा प्रतिभाग किया जाने का डाटा साझा करने के उपरांत अधिक से अधिक शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण पूर्ण किए जाने की रणनीति पर चर्चा की। अंत में डायट प्राचार्य ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए समीक्षा बैठक समाप्त करने की घोषणा की।

चलती बस से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल अधेड़ व्यक्ति की इलाज के दौरान दर्दनाक मौत

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) : जिले के रुदौली कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर रौजागांव ओवरब्रिज के निकट स्थित दलसराय गांव के समीप लखनऊ से गोरखपुर जा रही शताब्दी बस से अचानक तेज झटका लगने से 50 वर्षीय अधेड़ व्यक्ति चलती बस से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। वही उसी के पीछे चल रही स्कार्पियो के चालक ने घटना को देखकर तेज ब्रेक लगा दी।बस के अंदर बैठे यात्रियों ने जोर से आवाज लगाकर बस के चालक से गाड़ी को साइड में रुकवाया।वही इसी कड़ी में यात्रियों ने इस घटना की सूचना कोतवाली रुदौली पुलिस को दी।इसकी सूचना मिलते ही एसआई इशहाक खान, हेड कॉन्स्टेबल जितेंद्र यादव व नीलेश कुमार के साथ घटना स्थल पर पहुँच गए।जिसको 108 एम्बुलेंस की मदद से आनन फानन में इलाज के लिए सीएचसी रुदौली भेजवाया। जहां सूत्र के मुताबिक इलाज के दौरान उक्त अधेड़ व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई।जानकारी के मुताबिक लखनऊ से गोरखपुर जा रही शताब्दी बस संख्या यूपी 32 ईएन 9667 में ल चमेली मार्केट रोहतक हरियाणा निवासी सुरेंद्र कुमार पुत्र ढालू राम उम्र 50 वर्ष लखनऊ से सवार होकर अयोध्या जा रहे थे। जैसे ही बस रौजागांव ओवरब्रिज के निकट स्थित दलसराय गांव के पास पहुची कि अचानक तेज झटका लगते ही अधेड़ बस से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये। यात्रियों की सूचना पर पहुची रुदौली कोतवाली पुलिस ने गंभीर रूप से घायल को इलाज के लिए सीएचसी रुदौली भेजवाया।इलाज के दौरान सुरेंद्र कुमार की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस द्वारा मौत की खबर मृतक के परिजनों को दी गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।इस संबंध में इस सम्बन्ध में एसआई इशहाक खान ने बताया कि गंभीर रूप से घायल सुरेंद्र कुमार पुत्र ढालू राम उम्र 50 वर्ष को इलाज के लिए एम्बुलेंस से सीएचसी भेजवाया गया था जहां पर इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों को इस घटना की सूचना दी गई हैं। मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।

पुलिया से नीचे गिरी अनियंत्रित बाइक : तीन लोग बाढ़ के पानी में बहे एवं पति–पत्नी के मिले शव

फर्रुखाबाद ब्यूरो : उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में बुधवार को दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बाइक अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे जा गिरी। हादसे में बाइक सवार महिला सहित तीन लोग बाढ़ के पानी में बह गए। बाइक सवार पति–पत्नी का शव बरामद कर लिया गया है। वहीं उनके पड़ोसी मौसा को तलाश किया जा रहा है। शमशाबाद थाना क्षेत्र के गांव दादूपुर निवासी सारदेव (25) की पत्नी लक्ष्मी (23) के पेट में मंगलवार को दर्द होने लगा था। इस पर पति सारदेव पड़ोस में रहने वाले मौसा राम लड़ेते (45) के साथ बाइक से लक्ष्मी को लेकर पड़ोसी गांव खरेटा गया था। तीनों मंगलवार रात करीब दो बजे वापस आ रहे थे। रास्ते में बहता की पुलिया से बाइक अनियंत्रित हो गई और बाढ़ के पानी में जा गिरी। चीख–पुकार सुन लोग मौके पर पहुंचे पर कोई नजर नहीं आया। सुबह लोगों ने पुलिया में बाइक फंसी देखी। घटना के बाद मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। क्षेत्रीय लोगों ने संबंधित थाने की पुलिस को घटना की

जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। लक्ष्मी का शव पुलिया से करीब 10 मीटर दूर मिल गया है। बाइक सवार बाकी दो लोगों की तलाश में जुटे गोताखोरों को कुछ देर बाद सारदेव का शव पुलिया से करीब 30 मीटर दूर मिला। गोताखोर उनके मौसा की तलाश कर रहे हैं। पति और पत्नी की मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

कौशाम्बी में लोगों को ठगने वाले दो भाइयों की संपत्ति कुर्क

प्रयागराज ब्यूरो : फर्जी इन्वेस्टमेंट कंपनी खोलकर लोगों से ठगी करने वाले दो सगे भाइयों की दो करोड़ 62 लाख की अचल संपत्ति को कुर्क कर लिया गया है। पुलिस ने यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट के तहत की है। कुर्क की गई संपत्ति में आरोपियों का घर, खेत और स्कूल शामिल हैं। सदर कोतवाली के कोर्रई गांव निवासी सूर्यभान सिंह यादव के बेटे रघुराज सिंह यादव ने अपने भाई शिवराज सिंह उर्फ आदित्य सिंह और धनराज सिंह सिंह के साथ मिलकर पर्ल व्हाइट इंफ्राकेयर प्राइवेट लिमिटेड के नाम से फर्जी कंपनी खोल रखी थी। यहां लोगों को आरडी व एफडी कराकर कम समय में धन दोगुना करने का लालच दिया जाता था। काफी पैसा डकारने के बाद कंपनी के दफ्तर में ताला लगा दिया गया। धोखाधड़ी के शिकार लोगों ने सदर कोतवाली में तहरीर दी। पुलिस ने आरोपित भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस ने अवैध तरीके से अर्जित की गई संपत्ति के मामले में गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए संस्तुति के लिए जिलाधिकारी सुजीत कुमार को रिपोर्ट भेजी। डीएम के आदेश पर मंगलवार को आरोपियों के घर, खेत और स्कूल को सील कर दिया गया। एसपी हेमराज मीना ने बताया

गैंगस्टर एक्ट के तहत कुल दो करोड़ 62 लाख रुपये की अचल संपत्ति कुर्क की गई है। अधर में स्कूली बच्चों का भविष्य फर्जी कंपनी की आड़ में ठगी करने वाले रघुराज सिंह ने कोर्रई में ही संतसू इंटरनेशनल स्कूल खोल रखा था। इस स्कूल की कीमत एक करोड़ 50 लाख की है। स्कूल सील किए जाने के बाद इसमें पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य अधर में है। एबीएसए जवाहर लाल का कहना है स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को नजदीकी परिषदीय स्कूल में दाखिला दिलाया जाएगा, जिससे उनकी पढ़ाई का नुकसान न हो। आलीशान कोठी में रहते थे ठग फर्जी कंपनी खोलकर लोगों को ठगी का शिकार बनाने वाले सगे भाई आलीशान कोठी में रहते थे। कोठी की कीमत 75 लाख रुपये है। इस घर को भी जब्त कर लिया गया है। इसके अलावा 40 लाख कीमत के खेत को कुर्क किया गया।

शहर में वन वे ट्रैफिक होने के बावजूद भी लोगों को नहीं मिल रही जाम से निजात

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) वर्तमान समय में वन वे ट्रैफिक के बावजूद भी राम नगरी अयोध्या में लोगों को जाम से निजात नहीं मिल पा रही है। जिसके चलते इधर से गुजरने वाले लोगों को घंटो इस जाम में फंसकर काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। मालूम हो कि इधर कुछ महीनों से कोतवाली

नगर में लोगों को जाम से निजात दिलाने के लिए यातायात पुलिस अधिकारी द्वारा वन वे ट्रैफिक व्यवस्था की गई है। परंतु इसके बावजूद भी लोगों को जाम की भयंकर समस्या से निजात नहीं मिल पा रही है। अगर देखा जाए तो इस समय कोतवाली नगर क्षेत्र के रीडगंज चौराहा,चौक, बेनीगंज, गुदड़ी बाजार,साहबगंज, देवकाली,नाका बाईपास, रायबरेली बाईपास, शांति चौक, फतेहगंज चौराहा, रोडवेज बस स्टेशन,नियावा सहित अन्य प्रमुख चौराहों व मार्गों पर घंटो जाम लगा रहता है। जिसमें इधर से जाने वाले नौकरी पेशा वाले व्यक्तियों, व स्कूल जाने वाले बच्चों को इस जाम में अधिक समय तक फंसकर परेशान होते हैं। जिसके चलते वे अपने गंतव्य स्थान तक देरी से पहुंचते हैं। अगर देखा जाए तो इस जाम के लगने के मुख्य कारण नो एंट्री के बावजूद प्रतिबंधित क्षेत्रों में भारी वाहनों व छोटे बडेध वाहनों,ई– रिक्शा,आटो का प्रवेश होना है। जिसके चलते यह समस्या वन वे ट्रैफिक होने के बावजूद भी बनी है। इस संबंध मे संबंधित अधिकारी ने बताया कि शीघ्र ही इस गंभीर समस्या को अमल में लाकर वन वे ट्रैफिक का कड़ाई से पालन कराया जायेगा।

सण्डीला कोतवाली क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से भाई बहन की मौत

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : सण्डीला कोतवाली क्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार भाई की मौत हो गई वही बहन भाई रूप से घायल हो गई जिसे डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। मिली है के मुताबिक सत्येंद्र कुमार 25 वर्ष पुत्र रामसनेही निवासी अनीपुर ससपन थाना मलिहाबाद जिला लखनऊ अपनी बहन सुभासिनी को महावीर विद्यालय कछौना में बीएससी सेकेंड इयर का कमेस्ट्री का पेपर दिलाने जा रहा था। संडीला के औद्योगिक क्षेत्र में कताई मिल के पास किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार भाई की मौत हो गई और उसकी बहन घायल हो गयी। आस पास के लोगो ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और घायल को सीएचसी पहुंचाया जहां हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। सूचना मिलने के बाद सीएचसी पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के दो भाई व दो बहन है।

स्वर्ण जयंती विस्तार योजना में बने आवासों को नहीं मिल रहे खरीदार

अलीगढ़ ब्यूरो : अलीगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) की स्वर्ण जयंती विस्तार योजना में बने आवासों को खरीदार नहीं मिल रहे हैं। एडीए ने वर्ष 2006 में स्वर्ण जयंती विस्तार योजना लांच की थी। दो साल बाद योजना में आवास बनकर तैयार हो गए। इसमें 145 प्लॉट एवं करीब 200 आवास बनाए गए। निर्माण पूरा होने के बाद प्राधिकरण ने इनकी बिक्री शुरू की, लेकिन कुछ सालों बाद ही इस पर विवाद शुरू हो गया। इसके बाद से आवास खाली पड़े हुए हैं। इन्हें कोई खरीदार लेने के लिए तैयार नहीं हो रहा है, जबकि एडीए के स्तर से कई बार विज्ञापन निकाले जा चुके हैं। प्राधिकरण ने इन आवासों को सस्ते दामों में बेचने का फैसला लिया इसके बाद भी कोई ग्राहक इन आवासों को लेने के लिए नहीं पहुंचा। एडीएम वीसी अतुल वत्स ने बताया कि आवासीय योजना में बने आवासों को लेकर विभागीय अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी जाएगी। यह भी पता कराया जाएगा कि आवास किस स्थिति में हैं।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।